Edition #23
April 2024

SAHYOG

Quarterly E-Newsletter

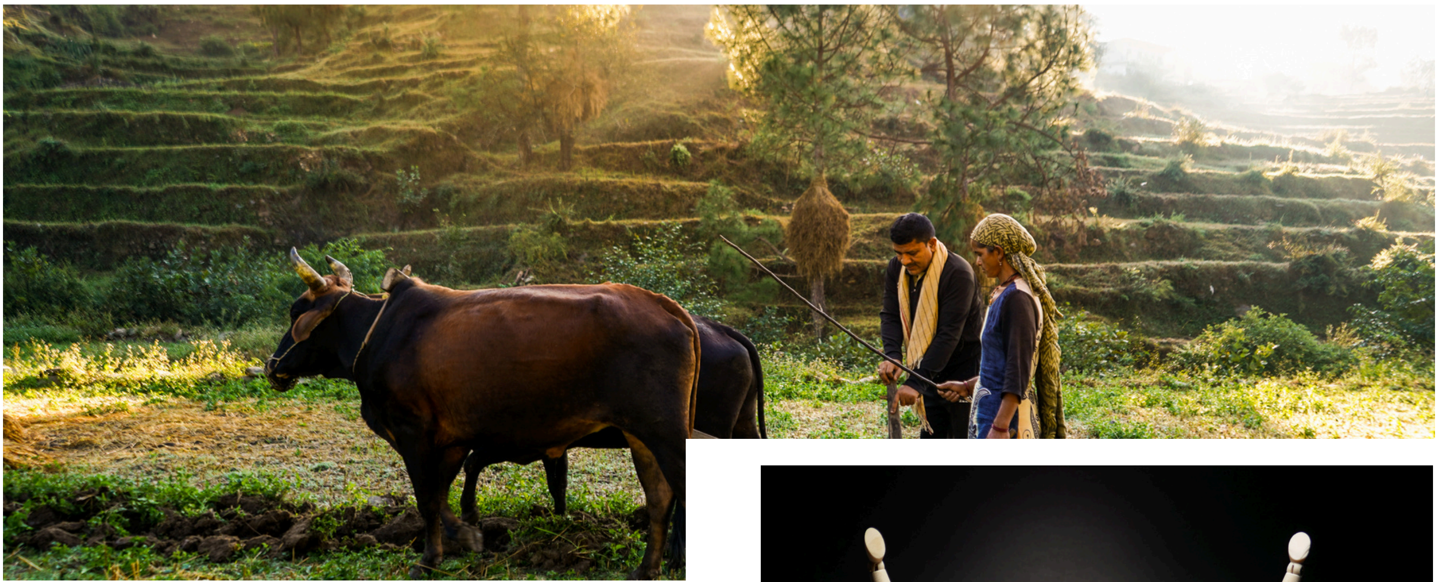

VISION OF NCDC

To be the preferred Development Financial Institution for the Cooperatives in the country and carve a niche for development of the sector internationally.

www.ncdc.in

MISSION OF NCDC

To provide financial assistance to Cooperatives, including to those from the weaker sections, for infrastructure and business development, for their economic upliftment, along with appropriate capacity building interventions.

QUALITY POLICY

We, at National Cooperative Development Corporation, are committed to economic development on cooperative principles, through continual improvement of our Quality Management System to achieve excellence, satisfaction of all customers while complying with all applicable regulations.

जनवरी – मार्च 2024 की झलकियाँ

- एनसीडीसी ने वर्ष 2023-24 में **लगभग 92000 करोड़ रुपए** की वित्तीय सहायता स्वीकृत और **लगभग 61000 करोड़ रूपये** की वित्तीय सहायता विमुक्त की है जिसमें वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 11224.10 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता स्वीकृत तथा 20204.06 करोड़ रूपये की वित्तीय सहायता विमुक्त की गयी है।

- दिनांक 14 मार्च, 2024 को सचिव, सहकारिता एवं अध्यक्ष प्रबंधन मंडल के अध्यक्षता में निगम के प्रबंधन मंडल की 229वीं बैठक आयोजित की गई।

- सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में निगम ने दिनांक 02 मार्च, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 'सहकारी बैंकों के अंब्रेला संगठन' एनयूसीएफडीसी का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता प्रदान की | उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री बी.एल. वर्मा, माननीय सहकारिता राज्य मंत्री तथा डॉ. भागवत किशंराव कराड, वित्त राज्य मंत्री सहित सहकारी क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे |

- सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में निगम ने दिनांक 08 मार्च, 2024 को, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, आईसीएआर, पूसा, नई दिल्ली में ''राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस का लोकार्पण' कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता प्रदान की | उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं श्री बी.एल. वर्मा, माननीय सहकारिता राज्य मंत्री सहित सहकारी क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे |

- सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में निगम ने दिनांक 24 फरवरी, 2024 को को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 'ई-पैक्स से अन्न भण्डारण' कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता प्रदान की | उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री पीयूष गोयल, माननीय केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री, श्री बी.एल. वर्मा, माननीय सहकारिता राज्य मंत्री सहित सहकारी क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे |

- सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में निगम ने दिनांक 08 जनवरी, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 'प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के संचालन हेतु राष्ट्रीय पैक्स पर महासंगोष्ठी' आयोजित करने में सहायता प्रदान की | उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री मनसुख मन्डाविया, केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक तथा स्वस्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री बी.एल. वर्मा, माननीय सहकारिता राज्य मंत्री सहित सहकारी क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे |

- सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में निगम ने दिनांक 30 जनवरी, 2024 को, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, आईसीएआर, पूसा, नई दिल्ली में ''राज्यों के सहकारी समिति के रजिस्ट्रार कार्यालय एवं कृषि तथा ग्रामीण विकास बैंकों के कम्प्यूटरीकरण" कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता प्रदान की | उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय

गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं श्री बी.एल. वर्मा, माननीय सहकारिता राज्य मंत्री सहित सहकारी क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे|

- राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम एवं लघु कृषक कृषि व्यापार संघ द्वारा दिनांक 08-10 फरवरी, 2024 एवं 19-21 मार्च 2024 दो दिवसीय एफ पी ओ मेलों का आयोजन निगम मुख्यालय में किया गया । जिसमें देशभर से आये FPO के प्रतिनिधियों को व्यापर संवर्धन में सहयता मिली।

- एनसीडीसी ने दिनांक 11 मार्च 2024 को मिजोरम में एक नया उप-कार्यालय खोलकर अपनी पहुंच तथा व्याप्ति का विस्तार किया। यह विजयवाड़ा में खोले गए उप-कार्यालय के अतिरिक्त है, जिसे पिछले वर्ष के अंत में खोला गया था।

- गणतंत्र दिवस दिनांक 26 जनवरी 2024 के अवसर पर प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा कार्यालय के अधिकारियों तथा कर्मचारियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण कार्यक्रम एवं राष्ट्रगान का आयोजन किया गया।

- निगम के राजभाषा प्रभाग द्वारा दिनांक 28 मार्च 2024 को दिनांक 19 सितम्बर 2023 से 25 सितम्बर 2023 के दौरान आयोजित हिंदी सप्ताह तथा वर्ष 2022-23 की टिप्पण/ आलेखन एवं डिक्टेशन योजना के विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

लक्ष्मणराव ईनामदार राष्ट्रीय सहकारी अनुसंधान एवं विकास अकादमी द्वारा मंत्रालय संबंधित गतिविधियाँ

- वित्त वर्ष 2023-24 में लिनाक तथा आरटीसी द्वारा 11834 प्रतिभागियों के लिए 193 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में लिनाक तथा आरटीसी द्वारा 1258 प्रतिभागियों के लिए 32 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

- आरटीसी कोलकाता द्वारा पश्चिम बंगाल राज्य के राज्य सहकारी बैंकों और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के वरिष्ठ मध्य स्तरीय प्रबंधन (जीएम / डीजीएम / एजीएम) के लिए 'सहकारिता मंत्रालय की प्रमुख पहलों के बारे में जागरूकता' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमें 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

- आरटीसी चेन्नई द्वारा तमिलनाडु राज्य के राज्य सहकारी बैंकों और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के वरिष्ठ मध्य स्तरीय प्रबंधन (जीएम / डीजीएम / एजीएम) के लिए 'सहकारिता मंत्रालय की प्रमुख पहलों के बारे में जागरूकता' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमें 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी पटना द्वारा बिहार राज्य के राज्य सहकारी बैंकों और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के वरिष्ठ मध्य स्तरीय प्रबंधन (जीएम / डीजीएम / एजीएम) के लिए 'सहकारिता मंत्रालय की प्रमुख पहलों के बारे में जागरूकता' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमें 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी देहरादून में एफएफपीओ के कार्मिक / मछुआरे / मत्स्य पालन सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए 'मत्स्य पालन क्षेत्र में घरेलू विपणन' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी लखनऊ में एफएफपीओ के कार्मिक/ मछुआरे / मत्स्य पालन सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए 'एफएफपीओ हेतु साइबर सिक्यूरिटी' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी बेंगलुरु एवं हैदराबाद में एफएफपीओ के कार्मिक / मछुआरे / मंत्स्य पालन सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए 'मत्स्य पालन क्षेत्र में घरेलू विपणन' पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 66 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी हैदराबाद में एफएफपीओ के कार्मिक / मछुआरे / मत्स्य पालन सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए 'राज्य मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान में एकीकृत खेती के विकल्पों और संबद्ध गतिविधियों' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी कोलकाता एवं रायपुर में एफएफपीओ के कार्मिक / मछुआरे / मत्स्य पालन सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए 'एफएफपीओ के लिए खाता एवं बही खाता' पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें कुल 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी पुणे में एफएफपीओ के कार्मिक/ मछुआरे / मत्स्य पालन सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए 'व्यापक स्टॉक प्रबंधन, बीज उत्पादन और पालन व्यवसाय' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी हैदराबाद में एफएफपीओ के कार्मिक / मछुआरे / मत्स्य पालन सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए 'राज्य मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान में एकीकृत खेती के विकल्पों और संबद्ध गतिविधियों' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी कोलकाता में एफएफपीओ के कार्मिक/ मछुआरे / मत्स्य पालन सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए 'एफएफपीओ के कंप्यूटर सहायता' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी चंडीगढ़ में एफएफपीओ के कार्मिक / मछुआरे / मत्स्य पालन सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए 'व्यवसाय विकास और बाज़ार पहुंच के लिए पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी चंडीगढ़ में एफएफपीओ के कार्मिक / मछुआरे / मत्स्य पालन सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए 'कस्टम हायरिंग सेंटर के प्रबंधन' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी बेंगलुरु में एफएफपीओ के कार्मिक / मछुआरे / मत्स्य पालन सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए 'मत्स्य पालन क्षेत्र में सामान्य प्रबंधन' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- आरटीसी शिमला में एफएफपीओ के कार्मिक/ मछुआरे सदस्य मत्स्य पालन सहकारी समितियों के लिए' FFPOS के लेखा एवं बहीखातों' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- आरटीसी पुणे में एफएफपीओ के कार्मिक/ मछुआरे/सदस्य मत्स्य पालन सहकारी समितियों के लिए आजीविका सहायता, मत्स्य पालन के लिए किसान क्रेडिट कार्ड और इनपुट के लिए गैर-डीपीआर समर्थन' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 98 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

TRAINING PROGRAMS & EVENTS CONDUCTED AT LINAC

- ***LINAC successfully disseminated different Initiatives of Ministry of Cooperation (MoC) through a series of residential workshops***

“Role and Importance of St.CBs and DCCBs in Strengthening Primary Cooperatives” - 04-05 January, 2024

A two-day residential workshop on “Role and Importance of St.CBs and DCCBs in Strengthening Primary Cooperatives” under the aegis of MoC was conducted for the Middle Management of St.CBs and DCCBs. A total of 33 participants attended this workshop.

“Role and Importance of Marketing Federations in Strengthening Primary Cooperatives” -11-12 January, 2024

A two-day residential workshop on "Role and Importance of Marketing Federations in Strengthening Primary Cooperatives" under the aegis of MoC, was conducted for Middle Management of National, State and District level federations. A total of 41 personnel participated in this workshop.

<u>“Role and Importance of Dairy Federations in Strengthening Primary Cooperatives” -06-07February, 2024</u>

A two-day residential workshop on "Role and Importance of Dairy Federations in Strengthening Primary Cooperatives", under the aegis of MoC, was conducted for Middle management of State, District and Regional level federations. A total of 14 participants Uttarakhand, J&K, Puducherry, Maharashtra, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Haryana Sikkim and Jharkhand attended this workshop.

- ***LINAC’s focus on Business Development in Primaries through various ToT and sectoral Programs in the areas of Meat Processing, Coconut Processing, Honey Processing, Horticulture, Cold chain Infrastructure, Cyber Security and more***

<u>“Project Management and Monitoring for Primary Level Cooperatives” - 01-02 February, 2024</u>

लिनाक द्वारा मध्य प्रदेश के FPOs तथा प्राथमिक सहकारी समितियोंके कुल 72 कार्मिकों के लिए “Project Management and Monitoring for Primary Level Cooperatives” विषय पर एक दो दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया | उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए परियोजना प्रबंधन चक्र के विभिन्न चरणों का वर्णन करने तथा परियोजना प्रस्ताव के प्रमुख तत्वों को वर्णित करने में ज्ञानवर्धक साबित हुआ |

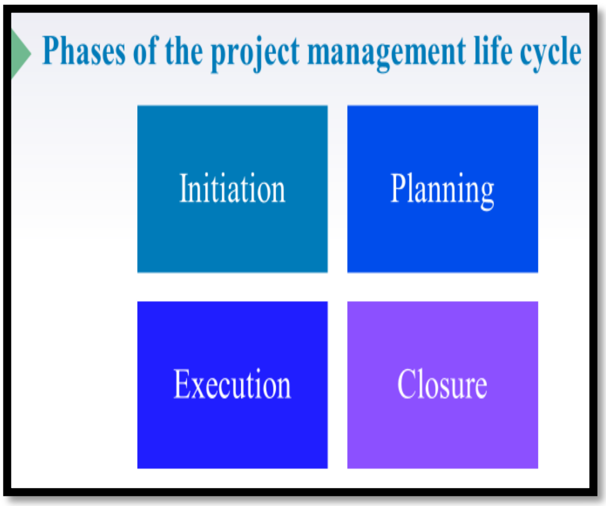

<u>“Meat Processing Business by Cooperatives” – 06 -07 February, 2024</u>

A two-day online training program on "Meat Processing Business by Cooperatives" for the Leadership and Personnel of Primary Level Cooperative Societies of Telangana and Andhra Pradesh was organized. A total of 43 participants benefitted in terms of garnering knowledge on increasing business by effectively addressing the challenges associated.

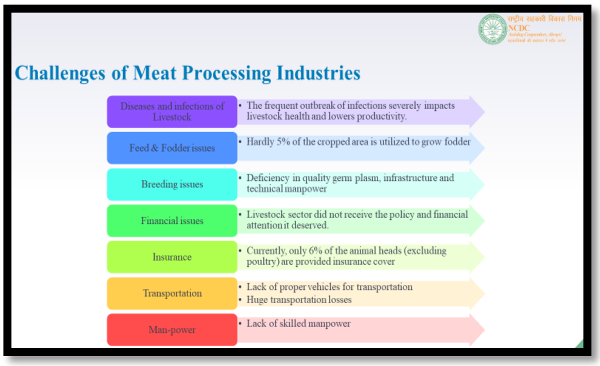

“Coconut Processing Business by Cooperatives” - 06-07 February, 2024

लिनाक द्वारा राजस्थान के कुल 53 किसान नेता, पंचायत स्तर केअधिकारियोंके लिए “Coconut Processing Business by Cooperatives” विषय पर एक दो दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया | प्रतिभागीगण द्वारा विभिन्न मूल्यवर्धित नारियल उत्पादों की पहचान करना, विभिन्न वैज्ञानिक आधुनिक नारियल खेती के तरीकों और नारियल के प्रसंस्करण में शामिल प्रक्रियाओं के बारे में ज्ञान अर्जन कर व्यवसाय वृद्धि हेतु सक्षमता प्राप्त की गयी |

“ToT on Orientation Program on Farming as Business Enterprise” - 07 February, 2024

लिनाक द्वारा राजस्थानके कुल 31किसान नेता, पंचायत स्तर केअधिकारियों के लिए “ToT on Orientation Program on Farming as Business Enterprise” विषय पर एक एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया | उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वाराप्रतिभागियों को भारत के कृषि क्षेत्र की प्रमुख विशेषताओं, भारत में उत्पादित प्रमुख फसलों तथा कृषि में राजस्व मॉडल हेतु अवगत कराना था |

“Cyber Security for Cooperatives” - 08 February, 2024

A one-day online training program on "Cyber Security for Cooperatives" was organized for 42 Leadership and personnel of Primary Level Cooperatives of Maharashtra. This program enabled the participants to describe the basics of cyber security and common cyber threats, different ways of protection from cyber threats, importance of system security and various types of cyber-attacks.

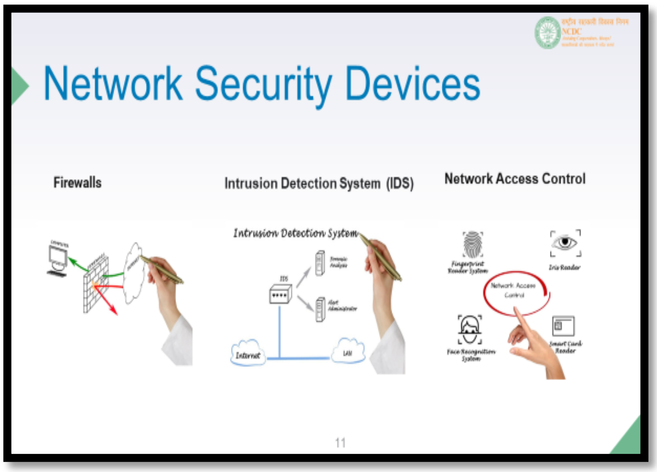

“Businesses by Cooperatives through Leveraging of Govt. and NCDC Schemes” - 08 February, 2024

लिनाक द्वारा मध्य प्रदेश की प्राथमिक सहकारी समितियोंके कुल 72 नेत्रित्व एवं कार्मिकों के लिए “Businesses by Cooperatives through Leveraging of Government and NCDC Schemes” विषय पर एक एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया | उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमप्रतिभागियों के लिए सहकारी व्यवसायों से संबंधित केंद्र सरकार तथा राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की प्रमुख योजनाओं के बारे मेंज्ञानवर्धक साबित हुआ |

“Learning-cum-Exposure Visit”- 13-15 February, 2024

लिनाक द्वारा बिहार के सहकारिता विभाग के 30 वरिष्ठ अधिकारियों के लिए एक तीन दिवसीय **‘Learning-cum-Exposure Visit’** का आयोजन दिनांक 13-15 फ़रवरी, 2024 में किया गया | प्रतिभागीगण inclass learning inputs के अतिरिक्त एक सफल बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समिति के भ्रमण से भी लाभान्वित हुए।

“Honey Processing Business by Cooperatives” – 28 February, 2024

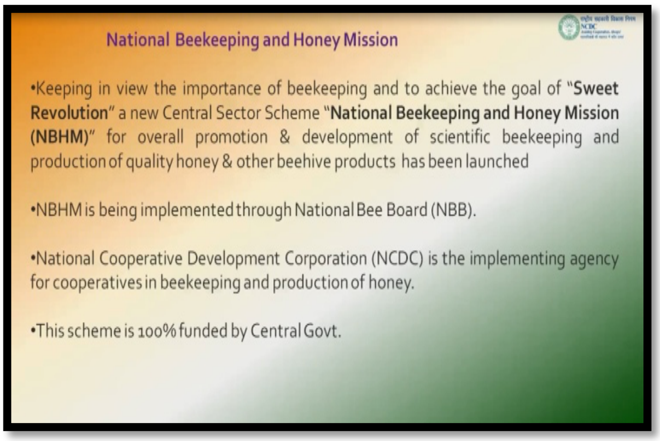

A one-day online training program on "Honey Processing Business by Cooperatives" was organized for 84 Leadership and Personnel of Primary Level Cooperatives of Andhra Pradesh. This program enabled the participants to describe the usage of honey and other bee products, economics and industrial importance of honey and value chain in Beekeeping.

“Cold Chain Infrastructure Operations”- 15-16February, 2024

लिनाक द्वारा झारखंड की सहकारी समितियों, ब्लॉक/तालुका/जिला स्तरीय पदाधिकारियों के लिए “Cold Chain Infrastructure Operations” विषय पर एक दो दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया | उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 43 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें उन्हें कोल्ड चैन क्षेत्र, इससे सम्बंधित प्रमुख चुनौतियों/ मुद्दों तथा इन चुनौतियों/ मुद्दों के निवारण हेतुअवगत कराया गया |

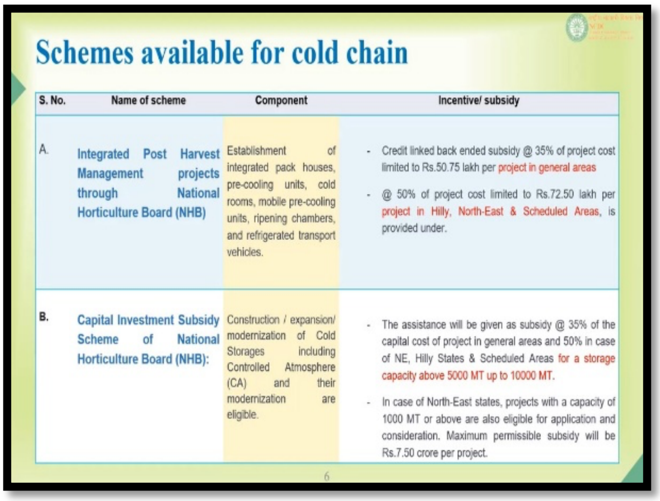

“Marketing of Products of Cooperatives” - 06-07 March, 2024

A two-day online training program on "Marketing of Products of Cooperatives" for 43 Cooperatives personnel, Block/ Taluka/ District Level Functionaries of Odisha was organized. This training program enabled the participants to explain the meaning of the marketing concept, list out the components of marketing mix and analyse the demand and supply of the product.

“Indian Technology for Value Enhancement Businesses in Agri Horti Produce for Cooperatives” - 14-15 March, 2024

A two-day online training program on Indian Technology for Value Enhancement Businesses in Agri Horti Produce for Cooperatives was organized for 43 Cooperatives personnel, Block/Taluka/District Level Functionaries of Jharkhand. The program was organized to enable the participants to understand the importance of value-addition and processing of agriculture and horticulture produce and to describe the various technologies available for processing and value-addition of agricultural and horticultural produce.

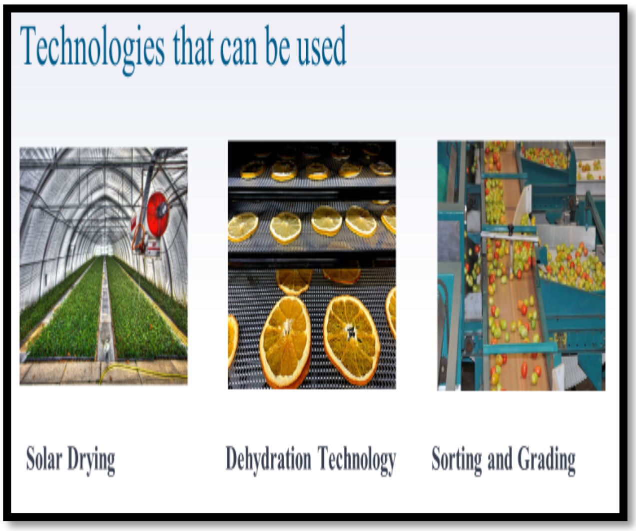

- ***LINAC- NCDC Fisheries Business Incubation Centre (LIFIC) extended entrepreneurial training and expert guidance to 12th & 13thbatch of LIFIC Incubatees:***

First Phase of the **12th batch** of LIFIC training program was successfully organized for 13 incubatees from 5 states namely- Madhya Pradesh, Haryana, Uttar Pradesh, Himachal Pradesh and West Bengal during **05-29 February, 2024**. Further, first Phase of **13th batch** of LIFIC training program was successfully organized for 19 incubatees from 5 states namely- Madhya Pradesh, Haryana, Uttar Pradesh, Chhattisgarh, Gujarat and West Bengal during **11 March-05 April, 2024**. A study visit to fisheries business farms was also organized for incubatees. This training program primarily focused on converting entrepreneurial ideas into business models and then support the launch of business operations.

Study Visit of Incubatees of 12th batch to Sultan Fish Seed Farm, Karnal, Haryana on 23.02.2024

Study Visit of Incubatees of 13th batch to R.S. Aquaculture, Kurukshetra, Haryana on 01.04.2024

- ## लिनाक द्वारा "सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता" का सफलतापूर्वक आयोजन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, गुरुग्राम के तत्वावधान द्वारा दिनांक 29 फ़रवरी, 2024 में लिनाक द्वारा नामकरण पश्चात पहली बार "सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया | उक्त प्रतियोगिता में सदस्य कार्यालयों से कुल 17 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता प्रदान की | प्रतियोगिता में श्री अमन जायसवाल, प्रबंधक (वित्त एवं लेखा), आरईसी लिमिटेड, गुरुग्राम तथा श्री सिद्धार्थ सरोहा, कार्यकारी सहायक – 1 (त.), राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान को **प्रथम पुरस्कार** से,श्री तरुण कुमार, प्रबंधक (एस एंड सीसी), राइट्स लिमिटेड, गुरुग्राम को **द्वितीय पुरस्कार** से और श्री शिवलोक शर्मा, अधिशासी अभियंता (विद्युत), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम लिमिटेडतथा श्री हरकेश गुर्जर, सहायक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम को **तृतीय पुरस्कार** से पुरस्कृत किया गया |

- ## *LINAC RTCs organised physical trainings for cooperative personnel of Primaries*

Two (02) physical Training Programs on "General Management, Business Development and Assets Management" were conducted by RTCs- Pune and Shimla for personnel of Primary Level Cooperatives. The contents of these training programs were designed to make a basic foundation for the participants on various elements of Management, Governance and aspects of Business diversification essential for Primary Level Cooperatives. A total of 98 participants participated in these training programs.

Program by RTC- Shimla on 28.02.2024

Program by RTC- Pune on 13.03.2024

Employees Corner

हिंदी : व्यावसायिक सफलता का मार्ग

आइये, निम्नलिखित कुछ आंकड़ों पर नज़र डालें

भारत में :

- हिंदी करीब 18 करोड़ लोगों की मातृभाषा और 30 करोड़ लोगों की दूसरी भाषा है
- 10 बड़े अखबारों में से 6 अखबार हिंदी हैं
- पिछले 10 वर्षों के दौरान हिंदी समाचार पत्रों की पाठक संख्या लगभग 10% की दर से बढ़ी है
- 22 करोड़ से भी अधिक लोग हिंदी न्यूज चैनल देखते हैं
- सामान्य मनोरंजन चैनल में हिंदी की हिस्सेदारी करीबन 30 प्रतिशत है
- सबसे ज्यादा 3700 करोड़ से भी अधिक की औसत कमाई हिंदी फिल्मों ने की

हिंदी की तकनीकी उड़ान :

- भारतीय युवाओं के स्मार्ट फोन में 8-9 ऐप्स हिंदी में हैं और यू-ट्यूब पर देखे जाने वाले 95% वीडियो हिंदी में हैं।
- करीब 21% भारतीय इंटरनेट का उपयोग हिंदी में करना चाहते हैं
- इंटरनेट पर लगभग 15 हिंदी सर्च इंजन हैं
- यूनिकोड ने डिजिटल हिंदी में योगदान दिया है।
- हाल के वर्षों में डिजिटल मीडिया में हिंदी सामग्री की मांग लगभग 5-7 गुना बढ़ गई है।

विश्व स्तर पर:

- करीब 150 देशों में हिंदी की उपस्थिति और 176 विश्वविद्यालयों में पढ़ाई होती है
- 120 करोड़ भाषा बोलने वाले, 25 से अधिक दैनिक समाचारपत्र हिंदी में
- पिछले 8 वर्षों में हिंदी भाषी लोगों की मांग 50% बढ़ी है
- फिजी की आधिकारिक भाषा हिंदी है
- ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में जुड़े नए हिंदी शब्द
- 2050 तक हिंदी दुनिया की सुपरहिट भाषा बन जाएगी

हिंदी आपके पेशेवर सफलता के लिए एक विशिष्ट कारक बन सकती है. यह कई तरह से आपकी मदद कर सकती है, जैसे कि :

1. <u>बड़े ग्राहक आधार तक पहुंच</u>
भारत एक विशाल देश है, जहां हिंदी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता आपको उन ग्राहकों से जुड़ने में मदद करती है जो अंग्रेजी सहज नहीं समझते हैं। विशेषकर सहकारी क्षेत्र में जहाँ अधिकतर सदस्यगण कम शिक्षित व कमज़ोर तबकों के होते हैं, हिंदी उनके सहकारिता के ज़रिये बाज़ार आवश्यकता पूर्ति हेतु एक सशक्त माध्यम बनती है.

2. <u>बेहतर टीम निर्माण</u>
यदि आपकी टीम में हिंदी बोलने वाले लोग हैं, तो हिंदी में बातचीत करने से आप उनके साथ मजबूत संबंध बना सकते हैं और एकजुटता की भावना पैदा कर सकते हैं। इस तरह सिनर्जी उद्भव होगी.

3. <u>विषय विशेषज्ञता प्रदर्शन</u>
कई तकनीकी क्षेत्रों में, हिंदी में जानकारी सीमित हो सकती है। हिंदी में जटिल विषयों को समझाने की क्षमता आपको एक विशेषज्ञ के रूप में पहचान दिलाती है। साथ ही मजबूत संचार कौशल प्रदर्शन का अवसर भी मिलता है .

हिंदी में स्पष्ट और प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता यह दर्शाती है कि आप अपने विचारों को किसी भी भाषा में अच्छी तरह से व्यक्त कर सकते हैं। हालाँकि, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपनी विशिष्ट क्षेत्र की आवश्यकताओं को भी समझें। कुछ उद्योगों में, अंग्रेजी प्रमुख भाषा हो सकती है।इसलिए, सफलता के लिए हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी में भी कुशल होना फायदेमंद हो सकता है।

कुल मिलाकर, हिंदी सीखना और उसका प्रयोग करना व्यवसायिक दुनिया में प्रभावी जनसंपर्क कर खुद को अलग दिखाने का एक कारगर, शानदार व पेशेवर तरीका है।

दीपा श्रीवास्तव,
कार्यकारी निदेशक (लिनाक)

<u>Catalyzing Cooperative Development: India's Ministry of Cooperation and Allied Initiatives</u>

In the vibrant tapestry of India's socio-economic fabric, cooperative development stands as a beacon of collective empowerment and inclusive growth. At the helm of this transformative journey is the Ministry of Cooperation, spearheading efforts to harness the potential of cooperative enterprises across various sectors. In tandem with allied institutions such as the National Cooperative Development Corporation (NCDC), National Cooperative Exports Limited (NCEL), Bhartiya Beej Sahkari Samiti Limited (BBSL)**,** National Cooperative Organics Limited (NCOL) and others, the ministry is driving a holistic approach towards fostering cooperative development, enhancing market access, and promoting sustainable livelihoods.

The Ministry of Cooperation, established in July **2021**, heralds a new era of focused attention on cooperative enterprises in India. With a mandate to provide strategic direction and policy support, the ministry acts as a catalyst for strengthening existing cooperatives and facilitating the formation of new ones. By fostering an environment conducive to cooperative entrepreneurship, it aims to unleash the collective potential of communities, particularly in rural and marginalized areas.

Central to the ministry's mission is the National Cooperative Development Corporation (NCDC), a statutory body tasked with promoting and financing cooperative enterprises. With its extensive network of Regional Offices and expertise in project financing, NCDC plays a pivotal role in providing financial assistance, technical support, and capacity building to cooperative societies across diverse sectors. By facilitating access to credit,

infrastructure, and market linkages, NCDC empowers cooperatives to scale up operations, enhance productivity, and improve the socio-economic well-being of their members.

In the realm of international trade, the National Cooperative Exports Limited (NCEL) serves as a vital conduit for promoting cooperative products and fostering global partnerships. Through its network of exporters and marketing channels, NCEL facilitates the export of a wide range of cooperative goods, including agricultural produce, handicrafts, textiles, and organic products. By leveraging its expertise in market research, product development, and trade facilitation, NCEL opens new avenues for cooperative enterprises to access international markets, generate foreign exchange, and enhance their competitiveness on the global stage.

Harnessing the power of data and information is another key focus area for cooperative development, as evidenced by initiatives like the National Cooperative Database. This comprehensive repository of information serves as a valuable resource for policymakers, researchers, and stakeholders, offering insights into the structure, performance, and impact of cooperative societies across the country. By promoting transparency, accountability, and data-driven decision-making, the database enables the government and other stakeholders to formulate targeted interventions, monitor progress, and optimize resource allocation for cooperative development.

In the agricultural sector, Bhartiya Beej Sahkari Samiti Limited (BBSL) emerges as a pioneering initiative aimed at promoting seed cooperatives and enhancing seed security in India. Recognizing the crucial role of quality seeds in boosting agricultural productivity and ensuring food security, BBSL works closely with seed producers, farmers' organizations, and research institutions to promote the production, distribution, and adoption of high-quality seeds. By providing technical know-how, marketing support, and financial assistance, BBSL empowers seed cooperatives to meet the diverse needs of farmers, promote sustainable farming practices, and contribute to agricultural growth and resilience.

In the realm of organic farming, the National Cooperative Organics Limited (NCOL) stands as a trailblazer in promoting organic agriculture and sustainable livelihoods. By fostering partnerships with farmers, cooperatives, and consumers, NCOL promotes the adoption of organic farming practices, certification standards, and market access mechanisms. Through initiatives such as organic farming clusters, certification assistance, and market linkages, NCOL enables farmers to tap into the growing demand for organic products, improve their incomes, and contribute to environmental conservation and public health.

In parallel, the Ministry of Cooperation is actively engaged in supporting Farmer Producer Organizations (FPOs) to empower small and marginal farmers, enhance their bargaining power, and facilitate their integration into value chains. By providing financial assistance, capacity building, and market linkages, the government aims to catalyze the formation and growth of FPOs, thereby enabling farmers to access inputs, credit, technology, and markets more efficiently.

In conclusion, cooperative development in India, spearheaded by the Ministry of Cooperation and allied institutions, holds immense promise for fostering inclusive growth, sustainable development, and social empowerment. By promoting cooperative entrepreneurship, enhancing market access, and leveraging data-driven strategies, India is poised to unleash the transformative potential of cooperatives in driving socio-economic progress and building a more resilient, equitable, and prosperous future for all.

Animesh Tiwari,
Programme Officer (Hindi)

PROMOTIONS DURING THE PERIOD JANUARY 2024 TO MARCH 2024:

Following employees were promoted during January 2024 to March 2024:

S. No.	Name of the Employee	Date of Assumption of Charge
Promotion from Deputy Director to Director		
1	Dr. S.K. Tehedur Rahaman	02.02.2024

RESIGNED DURING THE PERIOD JANUARY 2024 TO MARCH 2024:

Following employees have resigned during January 2024 to March 2024 :

S. No.	Name of the Employee	Date of Resignation
1	Sh. Ankur Gautam, Deputy Director	11.01.2024
2	Mohd. Afzal, Deputy Director	26.02.2024
3	Ms. Garima Nadar, Assistant Director	29.03.2024

Editorial Team:

Chief Editor: Smt. Deepa Srivastava, Executive Director

Associate Editor: Shri Sandeep Singh, Dy. Director

Sub Editors: Shri Kulkarni Abhijeet Dattatraya, Dy. Director & Shri Randhir Kumar Singh, Dy. Director

Designing: Shri Ankur Loonia, Sr. Assistant

Coordination: Shri Sankarnarayanan S., Assistant Director

Special Thanks: Shri Neeshank Mahajan, Programme Officer

Published by NCDC **newsletter@ncdc.in**